دُرُوسُ اللَّغَةِ الْعَرَبِيَّةِ

لِغَيْرِ النَّاطِقِينَ بِهَا

الدَّرْسُ التَّاسِعَ عَشَرَ

| الدَّرْسُ التَّاسِعَ عَشَرَ | دُرُوسُ اللُّغَةِ الْعَرَبِيَّةِ لِغَيْرِ النَّاطِقِينَ بِهَا | | | |
|--|---|----------------------|-------------------------------------|-----------|
| الدَّرْسُ التَّاسِعَ عَشَرَ التَّاسِعَ التَّرْجَمَةُ التَّرْجَمَةُ | الْجَمْعُ | | الْمُفْرَدُ | |
| - Entschuldigung * Das Partizip-Aktiv von dem Verb jemnd. der sich entschuldigt oder etwas bedauert | | | آسِفٌ: اسْمُ الْفَاعِلِ مِنْ أُسِفَ | |
| - Botschaft - eines Landes | سِفَارَاتٌ | | سِفَارَةٌ | |
| - die Botschaft Indiens | _ | | سِفَارَةُ الْهِنْد | |
| - Jahr | أُعْوَاهُ | | عَامٌ | |
| - Inder , indisch | هُنُودٌ | | ۿؚٮ۠۫ۮؚۑۜٛ | |
| - Wein, berauschendes | خُمُورٌ | | خَمْر | |
| - vorhanden | _ | | مَوْجُوْدٌ | |
| - müde ,schläfrig | _ | | ده په متعب | |
| - Seide | حَرَائِرُ | | حَرِيرٌ | |
| - das Diesseits | - | | الدُّنْيَا | |
| - das Jenseits | _ | | الآخِرَةُ مُسْتَقْبَلٌ | |
| - Zukunft | _ | | مُسْتَقْبَلُ | |
| - Anfang , Beginn | _ | | بُدُّءُ | |
| - Jemand , Einer * Maskulin | _ | | ٱُحَدُّ | |
| - Jemand , Eine * Feminin | _ | | إِحْدَى | |
| - die kleine Pilgerfahrt | _ | | عُمْرَةً | |
| - weil | _ | | لأُنَّ | |
| - Werkzeug , Instrument | أَدُواتْ | | أَدَاةً | |
| التَّرْ جَمَةُ | الْمَصْدَرُ | الأَمْرُ | الْمُضَارِعُ | الْمَاضِي |
| - Umrah vollziehen | اعْتِمَارُ ْ | اعْتَمِرْ | يَعْتَمِرُ | اعْتَمَرَ |
| - sich gedulden , ausharren | م ^{ره} و م | اِصْبِرْ اِلْبَسْ | يَصْبِرُ يَلْبَسُ | صبر |
| - anziehen , ankleiden | لُبْسُ ٞ | اِلْبَسْ | يَلْبَسُ | لَبِسَ |
| - verlassen , lassen | تَرْكُ | ٱؙؿ۠ۯڬ | يَتْرُكُ | تَرَكَ |